

## सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

### सत्संग परिचय - १

रविवार, ५ जुलाई, २००९

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन      दिनांक      महिना      वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१३ (१०)	

विभाग-३, कुल गुण

**मोडरेशन विभाग भाटे ४**

गुण शब्दोंमां .....

रेकॉर्ड - नाम

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	
----------------------------------	-------------	--

परिचय-१

### विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “ आप हमारे जीवनप्राण हैं ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

२. “ स्वामिनारायण खुदा हो तो भले ही राज्य ले लें ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

३. “ वह आपको और सोरठ के हरिभक्तों को दे रहा हूँ ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **९** केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. मूलखाचर निर्व्यसनी हो गये ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. शोभाराम अंधा हुआ ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २



सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३	प्र-४	प्र-५
----------------------------------	-------------	-------	-------

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. शीतलदास को दीक्षा देकर क्या नाम रखा ?

गुण : १

२. क्या नाम देकर श्रीजीमहाराज ने अपने हाथों से अपनी ही मूर्ति कहाँ स्थापित की ?

गुण : १

३. श्रीजीमहाराज ने उमरेठ में ब्राह्मणों को कौन सा चमत्कार दिखाया ?

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज ने किसके पास कुरान बुलवाई ?

गुण : १

५. श्रीजीमहाराज ने किस को राधा और रुक्मिणी विवाह के भक्ति-गीतों की रचना करने की आज्ञा दी ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. बच्चे को प्रसन्न किया ।

गुण : २

(१)  सभा में निकला हुआ साँप । (२)  टोकरी में डालकर दूर फेंकने गए ।

(३)  प्रसाद के रूप में तीन आम दिए । (४)  प्यार किया ।

२. नर्क के कुण्ड खाली किए ।

गुण : २

(१)  स्वरूपानन्द स्वामी को यमलोक में जाने की आज्ञा । (२)  स्वामिनारायण महामंत्र का उच्चारण ।

(३)  नर्क में सड़ते जीवों को मनुष्यदेह की प्राप्ति । (४)  नर्क के जीवों को वैकुण्ठलोक की प्राप्ति ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । ( कुल गुण : ४ )

१. श्रीजीमहाराज और इच्छारामभाई का मिलन ..... गाँव में हुआ ।

गुण : १

२. श्रीजीमहाराज ने ..... गाँव में बारह स्वरूपों में दर्शन दिए ।

गुण : १

३. श्रीजीमहाराज ने कहा, “ ..... अर्थात् ‘बकरों की बलि देकर यज्ञ करना’ यह इसका अर्थ नहीं है । किन्तु पुराने धान की आहुति देकर यज्ञ करना ।”

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज ने कडु गाँव के कल्याणभाई को दीक्षा देकर ..... नाम रखा ।

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक





केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २**

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “हरकोई अपने स्वभाव के अनुसार क्रिया करता है ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

२. “स्वामी ! शास्त्रीजी महाराज का संग रखना और जो वे कहें वह करना ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

३. “ब्रह्मचारी के जोड़ीदार तो पहले से ही तय है ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक





केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ४ )

१. नरसिंह पंड्या को नवाब ने बाहर निकाल दिया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २



उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. नित्यानन्द स्वामी गुणातीतानन्द स्वामी की बातें सुनकर क्या कहा करते थे ?

गुण : १

२. प्रेमानन्द स्वामी ने चातुर्मास में कौन सा विशेष नियम धारण किया ?

गुण : १

३. गुणातीतानन्द स्वामी ने सोने की थाली में भोजन क्यों नहीं किया ?

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज के अग्निसंस्कार के समय पर चिता में कूदने को कौन उतारु हो गये ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को उपदेशक्रम (घटनाक्रम) के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : जागा स्वामी ने बातों के द्वारा दिया हुआ उपदेश ।

१. भगवान का स्वरूप समझों और ब्रह्म होकर परब्रह्म की उपासना करो । २. उनका जन्म वि. सं. १८८३ के आसो वद २ सोमवार को हुआ । ३. सं. १८९५ में बड़े पूर्णानन्द स्वामी से भेंट हुई । ४. सत्पुरुष के अनुगृहीत पराधीन होकर रहो, किन्तु उनको लाचार न बनाओं । ५. चौदह वर्ष की कम आयु में बाढ़डा में विवाह हुआ । ६. पंचविषय, देहाभिमान छोड़ दो, गलत पक्ष छोड़ दो । ७. अवगुण देखने का मन करे तो अपनी देह, जाति और स्वभाव के अवगुण देखो । ८. पत्नी अमराबाई उनको खोजती हुई गढ़डा पहुँची । ९. ये भक्त हमारी आज्ञा पालन में सत्ताइस दिन तक घास के मेदान की रखवाली करते रहे । १०. दूसरों की क्रिया, दूसरों का रूप-रंग और दूसरों के दोष कभी मत देखो । ११. जूनागढ़ में स्वामी ने जागा भक्त को सत्तर बार आलिंगन किया । १२. भगवान के भक्तों के अवगुण मत देखो ।

केवल सही क्रमांक

<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
----------------------	----------------------	----------------------	----------------------	----------------------	----------------------

गुण : ३

सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । उपदेशक्रम भी

यथार्थ उपदेशक्रम

<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
----------------------	----------------------	----------------------	----------------------	----------------------	----------------------

गुण : ३

सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें





